# DEPARTMENT OF

# HINDI

# ACADEMIC CALANDER

# GDCR

# 2023-24

# शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव

## हिंदी विभाग

### वार्षिक साहित्यिक कैलेण्डर

सत्र–2023–24

| कमांक | दिनांक | आयोजन |
|---|---|---|
| 1 | 1 जुलाई 2023 | सत्रारंभः प्रवेश कार्यादि |
| 2 | 31 जुलाई 2023 | प्रेमचंद जयंती |
| 3 | 23 अगस्त 2023 | तुलसी जयंती |
| 4 | 5 सितंबर 2023 | शिक्षक दिवस |
| 5 | 12 सितंबर 2023 | डॉ.बलदेव प्रसाद मिश्र जयंती(एम. ओ. यू. कार्यकम ) |
| 6 | 13 सितंबर 2023 | अतिथि व्याख्यान |
| 7 | 14 सितंबर 2023 | हिंदी दिवस, स्नातकोत्तर परिषद का उद्घाटन एवं पुस्तक विमोचन |
| 8 | 15 सितंबर 2023 | अतिथि व्याख्यान |
| 9 | 4–15 अक्टूबर 2023 | अंतर्विभागीय व्याख्यान |
| 10 | 11–20 अक्टूबर 2023 | शिक्षक अभिभावक सम्मेलन |
| 11 | 30 अक्टूबर 2023 | अतिथि व्याख्यान |
| 12 | माह नवंबर 2023 | मुक्तिबोध जयंती एवं अतिथि व्याख्यान |
| 13 | माह नवम्बर 2023 | एम.ए सेमेस्टर आंतरिक मूल्यांकन |
| 14 | 28 नवंबर 2023 | छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस |
| 15 | नवम्बर – दिसम्बर 2023 | संभावित विस्तार गतिविधि |
| 16 | 10 दिसम्बर 2023 | दिग्विजय दास राज्य स्तरीय साहित्य लेखन की सूचना |
| 17 | दिसम्बर23–जनवरी 24 | स्नातकोत्तर शैक्षणिक भ्रमण |
| 18 | 11–20 जनवरी 2024 | एलुमनी मीट |
| 19 | 21 फरवरी 2024 | अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस |
| 20 | 24 मार्च 2024 | वसंतोत्सव एवं होली मिलन |
| 21 | अप्रैल 2024 | एम.ए आंतरिक मूल्यांकनं लिखित परीक्षा |
| 23 | 27 अप्रैल 2024 | अतिथि व्याख्यान |
| 24 | 27 मई 2024 | बख्शी जयंती |

विभागाध्यक्ष

विभागाध्यक्ष (हिंदी)
शासकीय दिग्विजय स्वशासी
स्नातकोत्तर महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

प्राचार्य
शास. दिग्विजय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, राजनांदगांव (छ.ग.)

भास्कर दूत

# संवेदनशील क्रांतिधर्मी सरोकारों के रचनाकार थे मुंशी प्रेमचंद

दिग्विजय कालेज में हिन्दी विभाग द्वारा जयंती पर आयोजन



# संवेदनशील क्रांतिधर्मी सरोकारों के रचनाकार प्रेमचंद

# तुलसी जयंती मनाई गई

23 अगस्त 2023

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन में हिंदी विभाग द्वारा तुलसी जयंती साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एन. जागृत ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में बताया कि तुलसी साहित्य एवं रामचरितमानस तुलसी चरित महाकाव्य ही नहीं वरन् सार्वकालिक ऐतिहासिक ग्रंथ है। संकीर्ण विचारों को छोड़कर इतिहास को नवीन दृष्टि से देखने का आह्वान किया। विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ नीलम तिवारी ने तुलसी साहित्य के अध्ययन की आवश्यकता को निरूपित करते हुए तुलसी रचित राम स्तुति का पाठ किया। शोधार्थी बिन्दु डनसेना ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए अपने व्यक्तव्य में तुलसी कृत महाकाव्य श्रीरामचरितमानस के नायक श्रीराम के धीरोदात रूप का सकारात्मक सोच एवं राजकुमार राम मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम बनने की प्रक्रिया को शोधपरक ढंग से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर छात्र- छात्राओं ने विशेष रूचि दिखाते हुए कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर भक्त शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास के साहित्यिक अवदान, जीवन संघर्ष एवं प्रेरक प्रसंगों के बारे में बताया। विनय वासनिक, प्रवीण यादव, सहदेव, टकेश्वर, मनीष टांडेकर, तीरथ कुमार धुर्वे, नेहा वर्मा, मनीष बंजारे, डिलेश्वर साहू, जितेन्द्र साहू, खिलेन्द्र कुमार प्रतिभागी के रूप में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ. प्रवीण साहू, डॉ. नीलम तिवारी, डॉ.गायत्री साहू, डॉ.स्वाती दूबे, कौशिक बिशी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# तुलसी और उनका साहित्य वर्तमान में भी प्रासंगिक

राजनांदगांव (दीप जागृति)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन में हिंदी विभाग द्वारा तुलसी जयंती साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एन. जागृत ने अपने अध्यक्षीय उद् बोधन में बताया कि तुलसी साहित्य एवं रामचरितमानस तुलसी चरित महाकाव्य ही नहीं वरन् सार्वकालिक ऐतिहासिक ग्रंथ है। संकीर्ण विचारों को छोड़कर इतिहास को नवीन दृष्टि से देखने का आह्वान किया। विभाग की सहायक प्रध्यापक डॉ नीलम तिवारी ने तुलसी साहित्य के अध्ययन की आवश्यकता को निरूपित करते हुए तुलसी रचित राम स्तुति का पाठ किया। शोधार्थी बिन्दु डनसेना ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए अपने व्यक्तव्य में तुलसी कृत महाकाव्य श्रीरामचरितमानस के नायक श्रीराम के धीरोदात रूप का सकारात्मक सोच एवं राजकुमार राम मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम बनने की प्रक्रिया को शोधपरक ढंग से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने विशेष रूचि दिखाते हुए कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर भक्त शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास के साहित्यिक अवदान, जीवन संघर्ष एवं प्रेरक प्रसंगों के बारे में बताया। विनय वासनिक, प्रवीण यादव, सहदेव, टकेश्वर, मनीष टांडेकर, तीरथ कुमार धुर्वे, नेहा वर्मा, मनीष बंजारे, डिलेश्वर साहू, जितेन्द्र साहू, खिलेन्द्र कुमार प्रतिभागी के रूप में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में हिंदी विभाग के प्रध्यापक डॉ. प्रवीण साहू, डॉ. नीलम तिवारी, डॉ.गायत्री साहू, डॉ.स्वाती दूबे, कौशिक बिशी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# शिक्षक दिवस का आयोजन

(5 सितंबर 2023)

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के हिंदी विभाग में स्नातकोत्तर हिंदी के विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने प्राचार्य डॉ. के. एल. टाण्डेकर, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एन. जागृत एवं **विभागीय प्राध्यापक डॉ. प्रवीण कुमार साहू**, डॉ. नीलम तिवारी, डॉ गायत्री साहू, और कौशिक बिशी का तिलक लगाकर सम्मान किया तथा उपहार दिये। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. के. एल. टाण्डेकर ने संबोधित करते हुए कहा कि गुरूओं का सम्मान करना भारतीय संस्कृति की प्राचीन परम्परा है। भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति गुरूकुल की रही है। विद्यार्थियों का सर्वांगीन विकास ही शिक्षकों का लक्ष्य होना चाहिए। सम्मान करने लिए विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किए।

हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एन. जागृत ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती तिथि को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षकीय वृत्ति के पश्चात ही राष्ट्रपति बने। सम्मान और उपहार के लिए उन्होनें विद्यार्थियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

**डॉ. प्रवीण कुमार साहू ने कहा कि एक असाधारण शिक्षक सदैव विद्यार्थियों को प्रत्येक क्षेत्र में सफल होने के लिए प्रेरित करता है। चाणक्य, रामकृष्ण परमहंस, अरस्तु जैसे गुरूओं नें सामाजिक कांति का उद्घोष किया है।**

डॉ. नीलम तिवारी, डॉ. स्वाति दूबे, और डॉ. गायत्री साहू और कौशिक बिशी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। शोध छात्रा बिन्दू डडसेना और पत्रकारिता विभाग के सहायक प्राध्यापक अमितेश सोनकर तथा तीरथ कुमार, गौरव, रेशमलाल, संजना निषाद आदि विद्यार्थियों ने भी अपने विचार प्रकट किये। छात्र मनीष कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया।

12.09.2023

MOU कार्यक्रम के तहत हिंदी विभाग द्वारा शा शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय के आमंत्रण पर विज्ञान महाविद्यालय में डॉ.बल्देव प्रसाद मिश्र जयंती आयोजित की गई है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुमन बघेल , प्राध्यापक डॉ निर्मला उमरे, डॉ एन. माखीजा, डॉ पटेल सहित दिग्विजय महाविद्यालय के हिंदी विभाग से डॉ बी एन जागृत,डॉ प्रवीण साहू, कौशिक बिशी एवं शोधार्थी बिंदु डनसेना उपस्थित रहे।

दोनो महाविद्यालय के विद्यार्थीगण का आपसी मेलजोल इस कार्यक्रम के माध्यम से हुआ।

# बलदेव प्रसाद मिश्र 125वीं जयंती पर एमओयू दो संस्थाओं का आपसी मेलजोल - डॉ. सुमन बघेल

राजनांदगांव (भास्कर दूत)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन में हिंदी विभाग द्वारा हिन्दी सप्ताह के अन्तर्गत एमओयू के तहत शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में संयुक्त रूप से बलदेव प्रसाद मिश्र की 125वीं जयंती कार्यक्रम आयोजित की गई। कार्यक्रम का प्रारंभ त्रिवेणी परिसर में स्थापित त्रिमूर्तियों पर माल्यार्पण कर की गई उसके पश्चात एम.ए. पूर्व एवं अंतिम के छात्र-छात्राओं के साथ दिग्विजय महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में डॉ. मिश्र की जयंती में सम्मिलित हुए। यह कार्यक्रम शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय एवं शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के बीच एमओयू के तहत आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में शिवनाथ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुमन बघेल ने अपने व्याख्यान में बलदेव प्रसाद मिश्र को स्मरण करते हुए उनके साहित्य पर संक्षिप्त परिचय के साथ नमन करते हुए उन्हें राजनांदगांव का गौरव कहा। वहीं दिग्विजय महाविद्यालय हिन्दी विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. प्रवीण साहू ने बलदेव प्रसाद मिश्र के जीवन और उनके प्रकाशित एवं अप्रकाशित ग्रंथों पर प्रकाश डालते हुए उनके साहित्यिक अवदान को अतुलनीय एवं अनुकरणीय बताया और साथ ही तुलसी दर्शन, कौशल किशोर, साकेत संत और रामराज्य जैसे रचनाओं के माध्यम से मिश्र जी की रचना धर्मिता को रेखांकित किया। हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन. जागृत ने बलदेव प्रसाद मिश्र द्वारा तत्कालीन समाज और शिक्षा के क्षेत्र में उनके किए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र मूर्धन्य साहित्यसेवी एवं देश के गौरव हैं, स्वतंत्रता आंदोलन के समय ठाकुर प्यारेलाल सिंह के साथ शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को बताते हुए राष्ट्रीय विद्यालय की स्थापना को रेखांकित किया। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के प्रध्यापक गुणवंता खरे ने किया एवं आभार प्रदर्शन इतिहास विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. फुलसो पटेल ने किया। इस कार्यक्रम में शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय के वरिष्ठ प्रध्यापक डॉ. निर्मला उमेर, डॉ. एस. एन. मखीजा, कपिल सूर्यवंशी, कौशिक बीशी, एसआरएफ शोधार्थी बिन्दु डनसेना एवं बड़ी संख्या में दोनों महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

**13.09.2023**

हिंदी सप्ताह के अंतर्गत दिनांक 13.09.2023 को हिंदी सप्ताह व्याख्यानमाला के तहत, इंदिरा कला संगीत वि वि खैरागढ़ से डॉ देवमाईत मिंज ,ने हिंदी की वर्तमान स्थिति पर व्याख्यान दिया।इस अवसर पर केरल के दो विद्यार्थी फया मोसेस टी आर और पिउ मोसेस टी आर भी उपस्थित थे।

**हिंदी भाषा हमारी सांस्कृतिक अस्मिताः डॉ देवमाइत**

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉक्टर के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन एवं हिंदी विभाग अध्यक्ष डॉ बी नंदा जागृत के के निर्देशन में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ डॉक्टर देवमाइत मिंज, प्राध्यापक, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ ने हिंदी की वर्तमान स्थिति विषय पर अत्यंत प्रभावी व्याख्यान दिया। उन्होंने हिंदी भाषा के उद्भव एवं विकास की चर्चा करते हुए कहा कि हिंदी हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का प्रतीक है। भाषा के विषय में हमारी दृष्टि संकुचित नहीं होनी चाहिए। प्राचार्य डॉक्टर के एल टांडेकर ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में हिंदी को सर्वव्यापी भाषा बताते हुए कहा कि हिंदी भाषी होना गर्व व सम्मान की बात है। विभाग अध्यक्ष डॉक्टर बी नंदा जागृत ने हिंदी भाषा को संपर्क भाषा के रूप में सर्वाधिक सफल भाषा कहा जिसे गैर हिंदी भाषी सहजता से सीख जाते हैं। कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापक डॉक्टर प्रवीण साहू ने किया एवं सहायक प्राध्यापक डॉक्टर नीलम तिवारी ने आभार व्यक्त किया।

**शुभांक**
**1-4-8**
**178-6 467-7**
**भाग्यांक**
**400-4 137-1**

**भास्कर दूत**

**हिन्दी भाषा सांस्कृतिक अस्मिता- डॉ. देवमाईत मिंज**

राजनांदगांव (भास्कर दूत)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन में हिंदी विभाग द्वारा हिन्दी दिवस सप्ताह के अंतर्गत द्वितीय दिवस में इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ की प्राध्यापक डॉ. देवमाईत मिंज ने हिंदी की वर्तमान स्थिति पर अपना व्याख्यान दिया। जिसमें उन्होंने हिन्दी के उद्भव और विकास की चर्चा करते हुए हिन्दी हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का प्रतीक बताया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में हिन्दी को सर्वव्यापी भाषा बताते हुए कहा कि हिन्दी भाषी होना गौरव व सम्मान की बात है। वहीं विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन. जागृत ने कहा कि हिन्दी भारत के संपर्क भाषा के रूप में सर्वाधिक सफल भाषा है जिसे गैर हिन्दी भाषी सहजता से सीख जाते है। कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापक डॉ. प्रवीण साहू ने किया एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. नीलम तिवारी ने आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. गायत्री साहू, कौशिक बिरही, एसआरएफ शोधार्थी बिन्दु कनसैना एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# हिंदी दिवस एवं पुस्तक विमोचन कार्यक्रम

**14.09.2023**

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि शंकर मुनिराय, सहायक प्राध्यापक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दंतेवाड़ा का व्याख्यान हुआ। डॉ प्रवीण साहू की किताब 'कबीर की साखियों में समसामयिकता एवं प्रांसगिकता' एवं डॉ शंकर मुनिराय की पुस्तक ' अइसन गारि के गारि जनि जानि' का विमोचन हुआ। प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर ने साहित्य परिषद की घोषणा की।

हिन्दी भाषा, सांस्कृतिक अस्मिता

दिग्विजय कालेज में मना हिन्दी दिवस

## रोजगार परक व्याख्यान–1

**15.09.2023**

रोजगारमूलक व्याख्यान के अंतर्गत दिनांक 15.09.2023 को छत्तीसगढ़ी फिल्म निर्माता, भूलन द मेज फेम, क्षेत्रीय भाषा फिल्म में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता,श्री मनोज वर्मा का व्याख्यान हुआ। उन्होने अपने कैरियर के क्षेत्र के विभिन्न संघर्षों को बताते हुए विद्यार्थियों को बताया कि छोटे से कैमरे से मैने फोटो की शुरूआत कि, फिर फीचर लेखन, संवाद लेखन के क्षेत्र में कदम रखते हुए फिल्म निर्माण तक का सफर पूरा किया। हिंदी के विद्यार्थियों को लेखन के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं।

प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर ने कहा कि स्वयं संघर्ष से तपा हुआ व्यक्ति ही सही मार्ग दिखा सकता है इसका सशक्त उदाहरण वर्मा जी है।

## रोजगार परक कौशल विकास अतिथि व्याख्यान – 2

शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर के लिए विद्यार्थियों को दिशा प्रदान करने के उद्देश्य से किया जिससे के कौशल विकास को अवधान में रखकर दिनांक 4.10.2023 को भाषा कौशल और व्यक्तित्व विकास विषय पर डॉ. दिव्या देशपांडे का व्याख्यान आयोजित हुआ।

**व्यक्तित्व विकास में भाषा कौशल का महत्व**



## रोजगार मूल्य और व्यक्तित्व विकास, अतिथि व्याख्यान – 3

विद्यार्थियों को कौशल विकास के साथ ही व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देना होगा। इसी उद्देश्य से व्यक्तित्व विकास में नैतिक मूल्यों की भूमिका विषय डॉ. एच.एस. अलरेजा का व्याख्यान हुआ। उन्होंने बताया कि शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, आर्थिक एवं आध्यात्म आधारित नैतिक मूल्यों का जीवन में तथा व्यक्तित्व विकास में विशेष महत्व होता है।

दैनिक **भास्कर दूत**
दिल में छत्तीसगढ़

# अपनी कुंडली का निर्माण व्यक्ति स्वयं करता है- डॉ. अलरेजा

**दिग्विजय कालेज में व्याख्यान माला का आयोजन**




राजनांदगांव (भास्कर दूत)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉक्टर के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन एवं विभाग अध्यक्ष डॉक्टर बी. एन. जागृत के निर्देशन में हिंदी विभाग में अंतर विभागीय व्याख्यान माला के तहत डॉक्टर एच. एस. अलरेजा, प्राध्यापक दर्शन शास्त्र ने व्यक्तित्व विकास में नैतिक मूल्यों की भूमिका विषय पर व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में विभाग अध्यक्ष डॉक्टर बी. एन. जागृत ने डॉक्टर अलरेजा का परिचय देते हुए बताया कि अलग-अलग विषयों के विद्वानों द्वारा विभिन्न विशिष्ट विचारों को आप तक पहुंचाने के लिए अंतर विभागीय व्याख्यान आयोजित किया जाता है। डॉक्टर अलरेजा ने कहा कि शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, आर्थिक एवं आध्यात्मिक ये पांच मुख्य मूल्य हैं। किसी भी उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, जीवन को सुखी बनाने के लिए। इन नैतिक मूल्यों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, इसलिए मूल्य का पालन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने पर मानसिक स्वस्थता रहती है तथा भावनात्मक मूल्य से हृदय की स्वच्छता बनी रहती है, भावनाएं होंगी तो एक दूसरे के सहायक बनेंगे। हमें केवल अपने लिए नहीं बल्कि एक दूसरे के लिए भी जीना चाहिए। आर्थिक मूल्य की प्राप्ति के लिए योजना और मेहनत दोनों की भूमिका होती है। आध्यात्मिक मूल्य भी सफल जीवन के आधार है। उन्होंने कहा कि सत्य हमेशा ही विद्यमान रहता है, उसे खोजना पड़ता है जैसे न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण को खोजा। डॉ नीलम तिवारी ने आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्रो. डॉ गायत्री साहू, प्रो कौशिक चौरसी, शोधार्थी बिंदु इनसेना तथा स्नातकोत्तर हिंदी के विद्यार्थी उपस्थित थे।

## रोजगार मार्गदर्शन प्रतियोगी परीक्षाओं में रीजनिंग मैथ्स – 4

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पीएससी, यूपीएससी, व्यापाम, एसएससी आदि में प्रत्येक संकाय के विद्यार्थियों को रीजनिंग मैथ्स जानना अनिवार्य होता है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए विभाग में दिनांक 13.10.2023 को डॉ के के देवांगन का ' रीजनिंग मैथ्स' विषय व व्याख्यान आयोजित हुआ।

भास्कर दूत

गणित हमारे जीवन में समाया है : डॉ. देवांगन

---

## त्रिवेणी परिसर एवं महाविद्यालय परिभ्रमण
## उन्मुखीकरण कार्यक्रम–1
### 16.10.2023

आज बी ए अंतिम वर्ष हिंदी साहित्य के विद्यार्थियों उन्मुखीकरण कार्यक्रम के तहत महाविद्यालय में प्राप्त विभिन्न सुविधाओं के संबंध में अवगत कराया गया जाता है। परन्तु बीए तृतीय के विद्यार्थियों को महाविद्यालय परिसर की विशिष्टताओं को न केवल बताने बल्कि दिखाने के उद्देश्य से डॉ गायत्री साहू के नेतृत्व में त्रिवेणी परिसर,स्मारक एवं महाविद्यालय का परिभ्रमण कराया गया। विद्यार्थियों के लिए यह बहुत अनोखा अनुभव था।

# हिन्दी स्नातक विद्यार्थियों का महाविद्यालयीन परिभ्रमण

राजनांदगांव (भास्कर दूत)। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन. जागृत के निर्देशन में बी.ए. अंतिम के विद्यार्थियों को महाविद्यालय का दर्शन और परिभ्रमण कराया गया। इसके तहत प्राध्यापक डॉ. गायत्री साहू, डॉ. नीलम तिवारी एवं शोभार्थी बिन्दु डनसेना ने मुक्तिबोध स्मारक, त्रिवेणी परिसर, सृजन संवाद एवं प्राणिशास्त्र के संग्रहालय का भ्रमण कराया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को राजनादगांव संस्कारधानी त्रिवेणी परिसर में स्थापित महान विभूतियों का साहित्यिक परिचय के साथ मुक्तिबोध स्मारक में संग्रहित डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र, पदुमलाल पुन्ना लाल बख्शी एवं गजानन माधव मुक्तिबोध की जीवन एवं साहित्य से जुड़ी संकलित सामग्री का अवलोकन कराया गया।

---

# शिक्षक–अभिभावक सम्मेलन

**18.10.2023**

छात्र/छात्राओं, पालक एवं शिक्षको का सम्मेलन दिनांक 18.10.2023 को विभाग में आयोजित किया गया। प्राचार्य डॉ. के. एल टांडेकर ने कहा कि जो विद्यार्थी यहां अध्ययनरत है उनके पालकों को यह जानने का अधिकार है कि उनके पाल्य को सुविधाएं प्राप्त हो रही है या कहीं अध्ययन–अध्यापन संबंधी समस्याओं को निराकरण समय पर हो सके के उसके लिए भी आप सुझाव दे सकते हैं।

अभिभावकों ने कहा कि हमारे बच्चे इस महाविद्यालय के हिंदी विभाग मे अध्ययन कर रहे है यह हमारे लिए गौरव की बात है। सभी प्राध्यापक अपना समय इन्हें देते है इनके समस्याओं का समाधान करते हैं। इस अवसर पर शा.वाय.वी. पाटनकर महाविद्यालय दुर्ग प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह भी उपस्थित है।

## अतिथि व्याख्यान

**30.10.2023**

हिंदी में रोजगार के अवसर का रास्ता हिंदी भाषा के स्वरूप प्रयोजनमूलक हिंदी से होकर जाता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए 'प्रयोजनमूलक हिंदी' विषय पर डॉ प्रेमलता देवी,शिक्षाविद, केन्द्रिय वि वि गुजरात, गांधी नगर का व्याख्यान आयोजित हुआ।

7 राजनांदगांव-कव

समाचार सार

### भारतीय संस्कृति वसुधैव कुटुंबकम की पोषाक है : डॉ. प्रेमलता देवी

राजनांदगांव (भास्कर दूत)। डॉ. प्रेमलता देवी ने कहा कि भारतीय संस्कृति वसुधैव कुटुंबकम की पोषाक है। देश के प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह भारतीय संस्कृति को समझे। अपनी संस्कृति को समझने के लिए सूक्ष्म ज्ञान से जुड़ना होगा अर्थात अपनी जड़ से जुड़ना होगा। हमारी संस्कृति स्त्रियों को शक्ति स्वरूपा का स्थान देती है। जनजातीय संस्कृति हमारे स्रोत हैं। उनका खान-पान औषधि का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा को आत्मसात करते हुए उसे विश्व पटल पर भी स्थापित करना प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है। राजनांदगांव साहित्यकर्म के पुरोधा, महाविद्यालय के गौरव रहे डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी तथा गजानन माधव मुक्तिबोध, स्मारक एवं त्रिवेणी परिसर तथा सृजन संवाद का भ्रमण किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रवीण साहू एवं आभार प्रदर्शन डॉ. नीलम तिवारी ने किया। इस अवसर पर विभागीय प्राध्यापक, डॉ. गायत्री साहू, कौशिक बीसी शोधार्थी बिंदु डनसेना तथा स्नातकोत्तर हिंदी के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

### सभी रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय में डाक मतपत्र सुविधा केन्द्र स्थापित

# भारतीय संस्कृति वसुधैव कुटुंबकम की पोषक - डॉ. प्रेमलता

राजनांदगांव (दूत)। डॉ. प्रेमलता देवी ने कहा कि भारतीय संस्कृति वसुधैव कुटुंबकम की पोषक है। देश के प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह भारतीय संस्कृति को समझे। अपनी संस्कृति को समझने के लिए सूक्ष्म ज्ञान से जुड़ना होगा, अर्थात अपनी जड़ से जुड़ना होगा। हमारी संस्कृति स्त्रियों को शक्ति स्वरूपा का स्थान देती है। जनजातीय संस्कृति हमारे स्रोत हैं। उनका खान-पान औषधि का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा को आत्मसात करते हुए, उसे विश्व पटल पर भी स्थापित करना प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है। राजनांदगांव साहित्यकर्म के पुरोधा, महाविद्यालय के गौरव रहे, डॉ.बलदेव प्रसाद मिश्र, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी तथा गजानन माधव मुक्तिबोध, स्मारक एवं त्रिवेणी परिसर तथा सृजन संवाद का भ्रमण किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रवीण साहू एवं आभार प्रदर्शन डॉ. नीलम तिवारी ने किया। इस अवसर पर विभागीय प्राध्यापक, डॉ. गायत्री साहू, कौशिक, बीसी शोधार्थी, बिंदु डनसेना तथा स्नातकोत्तर हिंदी के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

# मुक्तिबोध जयंती एवं राजभाषा दिवस

## 29.11.2023

आज दिनांक 29.11.2023 को प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के मार्गदर्शन व विभागाध्यक्ष डॉ बी एन जागृत के निर्देशन मुक्तिबोध जयंती 13.11.2023 के उपलक्ष्य में डॉ. लालचंद सिन्हा सहायक प्राध्यापक नवीन महाविद्यालय ठेलकाडीह का मुक्तिबोध की जनवादी चेतना' विषय पर अतिथि व्याख्यान तथा छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस 28.11.2023 के उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ी भाषा में काव्यपाठ ,गीत, परिचय आदि का कार्यक्रम किया गया।

पत्रिका

# प्रकाश से अंधकार की ओर जाने का जज़्बा मुक्तिबोध के पास- लालचंद सिन्हा

## छत्तीसगढ़ी भाषा और संस्कृति अस्मिता की परिचायक- डॉ. टांडेकर



कॉलेज में आयोजन

और राजभाषा दिवस मनाया गया, वक्ताओं ने रखे विचार

# छत्तीसगढ़ की संस्कृति और बोली, भाषा पर हमें गर्व होना चाहिए

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com



## भौगोलिक परिचय दिया गया

08/11/2023 | Rajnandgaon | Page : 4
Source : https://epaper.patrika.com/

24.11.2023

## (सबेरा संकेत प्रेस)

विद्यार्थियों के ज्ञान विस्तार के लिए विस्तार गतिविधि कार्यकम के तहत विद्यार्थियों को नगर के प्रतिष्ठित प्रेस सबेरा संकेत का भ्रमण कराया गया। जहॉ वे प्रिंट मीडिया के कार्य एवं प्रकार्य को समझे। वहॉ के सदस्यों ने एक –एक अंग के कार्यकलाप को समझाया। किस तरह समाचार का स्वरूप तैयार होकर समाचार पत्रों में स्थान पाता है। साथ ही समाचार पत्र छपने की मशीन से समाचार पत्र छप कर निकलते हुए देखना विद्यार्थियों के लिए बहुत ही अच्छा अनुभव था।

## अतिथि व्याख्यान

**22.03.2024**

**अतिथि व्याख्यान 22.03.2024** : को छत्तीसगढ़ी साहित्य विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमें विषय विशेषज्ञ डॉ. फूलदास महंत, विभागाध्यक्ष हिंदी, शासकीय नवीन महाविद्यालय सकरी बिलासपुर नें अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

# छत्तीसगढ़ी भाषा के विकास का दायित्व हम सब पर है- डॉ.के.एल. टांडेकर

**छत्तीसगढ़ी भाषा की आत्मीयता करती है आकर्षित- डॉ. फुलदास महंत**

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के हिंदी विभाग में 'छत्तीसगढ़ी साहित्य' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। विषय विशेषज्ञ प्राध्यापक, डॉ. पी. डी. महंत, विभाग अध्यक्ष शासकीय नवीन महाविद्यालय, सकरी जिला बिलासपुर ने मुक्तिबोध और बख्शी जैसे विश्व विख्यात साहित्यकार की धरती को प्रणाम करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ी भाषा की अपनी मिठास है। इसकी यह मधुरता इसके साहित्य में सर्वत्र व्याप्त है।

इतिहास में देखा जाए तो पहले वाचिक परंपरा की चर्चा होती है, तत्पश्चात छत्तीसगढ़ के प्रथम कवि, पंडित सुंदरलाल शर्मा जैसी विभूतियों के क्रम से आधुनिक युग तक छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य समृद्ध हो रही है। स्वतंत्रता आंदोलन का समय हो या अन्य अवसर, यहां के साहित्यकारों ने अपनी भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि लोक व्यवहार की दृष्टि से यह सरस है। इसलिए यहां जो भी व्यक्ति बाहर से आता है वह यही का होकर रह जाता है। इस अवसर पर विद्यार्थियों के जिज्ञासाओं का उन्होंने समाधान भी किया।

प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ी बोली अब इस राज्य की राजभाषा है। यह अच्छा अवसर है कि इस समय अन्य प्रांत केरल और महाराष्ट्र के विद्यार्थी यहां बैठे हैं, उन्हें भी इस भाषा के संबंध में कुछ जानकारी हो पाएगी। प्रत्येक प्रांत की भाषाओं की अपनी विशेषता होती है। हिंदी विभाग अध्यक्ष, डॉ. बी एन जागृत ने छत्तीसगढ़ी भाषा के संबंध में कहा कि यहां के विद्यार्थियों को इसके मानक रूप को भी समझने की आवश्यकता है।

इस कार्यक्रम में डॉ. फुलदास महंत के साहित्यिक अवदान को ध्यान में रखते हुए प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर द्वारा उन्हें 'साहित्य रत्न' अवार्ड से सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के हिंदी विभाग के समस्त प्राध्यापकों को अंतर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी के सफल संचालन के लिए तथा विभाग के समस्त विद्यार्थियों को कुशल कर्तव्य निर्वहन के लिए, प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर एवं विषय विशेषज्ञ डॉ. फुल दास महंत ने अंतर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का प्रमाण पत्र वितरित किया। विशेष तकनीकी सहयोग हेतु कंप्यूटर साइंस विभाग के प्राध्यापक राम अवतार साहू एवं श्रीमती प्रियंका दास तथा पत्रकारिता विभाग के प्राध्यापक अमितेश सोनकर को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। तत्पश्चात वसंत उत्सव कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर डॉ. महंत ने छत्तीसगढ़ी गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रवीण साहू, डॉ. नीलम तिवारी एवं बिंदु डनसेना ने किया। कार्यक्रम में डॉ. गायत्री साहू , कौशिक बीशि , कुमारी रितु यादव, अमितेश सोनकर, श्रीमती दीक्षा देशपांडे कुमारी रश्मि साहू एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।